रणजीत टाइम्स

इंदौर

सोमवार, 5 जनवरी, 2026

वर्ष 02 | अंक 07 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

बदला रियल एस्टेट ट्रेंड

संपादकीय : 2025 में इंदौर का बदला रियल एस्टेट ट्रेंड

इंदौर का रियल एस्टेट बाजार वर्ष 2025 में एक स्पष्ट बदलाव के दौर से गुजर रहा है। बीते वर्षों तक जहां शहर के भीतर प्लॉट, मकान और फ्लैट निवेश का पहला विकल्प माने जाते थे, वहीं अब तस्वीर बदलती नजर आ रही है। खरीदारों का बड़ा वर्ग तेजी से कृषि भूमि, फार्म हाउस और सेकंड होम की ओर रुख कर रहा है, जबकि शहर के भीतर हजारों प्लॉट और आवासीय इकाइयां आज भी खाली पड़ी हैं। यह बदलाव केवल बाजार की मंदी नहीं, बल्कि खरीदार की मानसिकता में आया संरचनात्मक परिवर्तन है।

आंकड़े क्या संकेत देते हैं

2025 में इंदौर में गाइडलाइन दरों में औसतन लगभग 25–30 प्रतिशत तक वृद्धि दर्ज की गई। इसके चलते शहर के कई प्रमुख इलाकों में आवासीय संपत्तियों के दाम आम मध्यमवर्गीय खरीदार की पहुंच से बाहर होते चले गए। वहीं रजिस्ट्रेशन और स्टांप ड्यूटी कलेक्शन यह दर्शाता है कि बाजार पूरी तरह ठप नहीं है, लेकिन कम संख्या में, अधिक मूल्य की डील्स हो रही हैं। इसका सीधा अर्थ है-लोग अब छोटे फ्लैट या साधारण मकान की बजाय बड़े और दीर्घकालिक निवेश को प्राथमिकता दे रहे हैं।

फार्म हाउस की ओर झुकाव क्यों

शहर के बाहर 15 से 30 किलोमीटर के दायरे

में स्थित कृषि भूमि और फार्म हाउस योजनाओं में 2025 के दौरान पूछताछ और बुकिंग में उल्लेखनीय

वृद्धि देखी गई। इसके पीछे कई कारण हैं पहला, समान बजट में शहर के भीतर जहां 1000–1200 वर्गफुट का फ्लैट मिलता है, वहीं बाहरी क्षेत्रों में हजारों वर्गफुट जमीन उपलब्ध है। दूसरा, फार्म हाउस अब केवल शौक नहीं, बल्कि सेकंड होम, रिटायरमेंट प्लान और सुरक्षित निवेश का माध्यम बन गया है। तीसरा, भीड़, ट्रैफिक और प्रदूषण से परेशान शहरी जीवन के बीच लोग हरियाली और खुली जगह की तलाश में हैं।

शहर के भीतर संपत्तियां क्यों अटकी हैं इंदौर के कई इलाकों में आज भी बड़ी संख्या में प्लॉट और फ्लैट खाली पड़े हैं। इसके पीछे प्रमुख कारण हैं—ऊंची कीमतें, ईएमआई का दबाव, निर्माण लागत में वृद्धि और निवेश के मुकाबले अपेक्षाकृत कम रिटर्न। खरीदार अब केवल "घर" नहीं, बल्कि लाइफस्टाइल और भविष्य की सुरक्षा को ध्यान में रखकर निर्णय ले रहा है।

क्या यह खतरे की घंटी है?

यह स्थिति सरकार, डेवलपर्स और शहरी नियोजन एजेंसियों के लिए चेतावनी है। यदि शहर के भीतर आवास आम आदमी की पहुंच से बाहर होता गया और बाहरी कृषि भूमि ही एकमात्र विकल्प बनती गई, तो शहरी असंतुलन बढ़ेगा। साथ ही, बिना समुचित नियोजन के बढ़ती फार्म हाउस संस्कृति भविष्य में पर्यावरण, जल और भूमि उपयोग से जुड़े सवाल भी खड़े कर सकती है। 2025 का इंदौर यह स्पष्ट संकेत दे रहा है कि रियल एस्टेट का केंद्र अब केवल कंक्रीट की इमारतें नहीं रहीं। लोग मिट्टी, जमीन और खुली हवा की ओर लौट रहे हैं।यह ट्रेंड निवेश की नई दिशा तो दिखाता ही है, साथ ही यह भी बताता है कि शहरी विकास की नीतियों को अब सस्ती आवासीय योजनाओं और संतुलित भूमि उपयोग की ओर गंभीरता से देखना होगा। इंदौर का रियल एस्टेट खत्म नहीं हुआ है—वह बस नई सोच और नई प्राथमिकताओं के साथ आगे बढ़ रहा है।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कोलकाता, दिल्ली और भोपाल से आये विशेषज्ञ डॉक्टरर्स की टीम के साथ किया मंथन

इंदौर इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में हुई जलजनित घटना को लेकर स्मार्ट सिटी कार्यालय में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में रविवार सुबह बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने भागीरथपुरा क्षेत्र में विभिन्न विभागों द्वारा किये जा रहे कार्यों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि भागीरथपुरा क्षेत्र में कोलकत्ता, दिल्ली और भोपाल से आये विशेषज्ञ डॉक्टर्स की टीम कार्य कर रही है। पानी की टेस्टिंग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। क्षेत्र में स्थित सभी बोरिंगों का क्लोरिनेशन किया जायेगा। साथ ही घरों में बेसमेंट में बने होज को क्लीन कर उसका भी क्लोरिनेशन किया जायेगा। उसके बाद ही क्षेत्र के नागरिक बोरिंगों के पानी का इस्तेमाल करेंगे। बैठक में अपर कलेक्टर श्री नवजीवन पंवार, कोलकत्ता से आई टीम के वैज्ञानिक डॉ. प्रमित घोष, वैज्ञानिक डॉ.गौतम चौधरी और दिल्ली के एनसीडीसी के डॉ.अनुभव, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.माधव प्रसाद हसानी, डॉ.अश्विन भागवत, डॉ.अभिजीत प्रकार, डॉ.सविता अखण्ड डॉ. सैलविया, श्री शैलेन्द्रा कुमार, डॉ.अंशुल मिश्रा,डॉ. रूपामी जोशी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि शहर में जीबीएस (गुइलेन-बैरे सिंड्रोम) बीमारी का कोई भी मरीज नहीं पाया गया। भागीरथपुरा क्षेत्र में कोलकत्ता,दिल्ली और भोपाल से आई टीम, नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग और संबंधित विभागों के साथ मिलकर पानी की जाँच कर रही है। जहाँ पर दूषित पानी पाया जायेगा,उसे चिन्हित कर उचित प्रबंध किया जायेगा। साथ ही क्षेत्रीय नागरिकों को भी जागरुक किया जा रहा है कि वे अपने बोरिंग और होज का क्लोरिनेशन कराने में सहयोग दें। इसके लिये भागीरथपुरा के पूरे क्षेत्र को 30 से अधिक बीटों में बांटा किया गया। हर बीट में कर्मचारियों और नागरिकों के साथ मिलकर क्लोरिनेशन का कार्य किया जायेगा। इसके लिये पूरे क्षेत्र को अवगत कराया जा रहा है।

कोलकत्ता से आई वैज्ञानिक और डॉक्टरों की टीम दूषित पानी की जाँच करेगी कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कहा कि कोलकत्ता से आये वैज्ञानिक डॉ.प्रमित घोष और वैज्ञानिक डॉ. गौतम चौधरी दूषित जल के सेम्पल लेकर उसका वैज्ञानिक तरीके से जाँच करेगी। इसके लिये उक्त टीम भागीरथपुरा क्षेत्र में पानी के रेण्डम सेम्पल एकत्रित करेगी। इस कार्य में उक्त टीम नगर निगम, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग और स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय बनाकर कार्य करेगी। इसका मकसद नागरिकों को शुद्ध जल उपलब्ध कराना है। साथ ही घटना के हर पहलुओं की निगरानी कर कारण तलाशने में मदद करेगी। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि भागीरथपुरा क्षेत्र में स्टेट सर्विलांस और विशेषज्ञ डॉक्टर्स की टीम द्वारा माइक्रो लेवल पर निगरानी का कार्य किया जा रहा है। सामुदायिक स्तर पर भी स्थानीय नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि भागीरथपुरा क्षेत्र में टेंकरों के माध्यम से शुद्ध पेयजल वितरित कराया जा रहा है। नागरिकों को पानी उबलकर पीने की समझाईश दी जा रही है। पानी की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिये क्लोरिन (लिक्विड) भी दिया जा रहा है। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि दूषित पेयजल से विभिन्न अस्पतालों में प्रभावितों का बेहतर उपचार किया जा रहा है। उन्हें आवश्यक दवाइयाँ,इंजेक्शन आदि प्रदान किये जा रहे हैं। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि शहर के जिन क्षेत्रों में दूषित पानी की शिकायतें मिल रही हैं,वहाँ पानी के रेण्डम सैम्पल लिये जा रहे हैं। स्वास्यं् विभाग,नगर निगम, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग आदि विभाग के कर्मचारी द्वारा घर-घर जाकर सर्वे करने का कार्य भी जारी है।

आज दिल्ली गाजियाबाद के बीच खेला जाएगा अहम मुकाबला

जगदीश पाल

पिछोर (शिवपुरी) माधवीराजे सिंधिया की पुण्य स्मृति में अखिल भारतीय विधायक कप राज्य स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन 2 जनवरी से प्रारंभ होकर 9 जनवरी तक विधायक प्रीतम सिंह लोधी के नेतृत्व में (विधायक कप) छत्रसाल स्टेडियम पिछोर में खेला जा रहा है! जिसमें 4 जनवरी रविवार को भोपाल, झांसी के बीच 20-20 ओवर का मैच खेला गया जिसमें टूर्नामेंट में मुख्य अतिथि के रूप में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवपुरी एन.एस. नरवरिया, तथा विकासखंड शिक्षा अधिकारी विनोद गुप्ता द्वारा खिलाड़ियों का परिचय कर दोनों टीमों के बीच टॉस कराया गया जहां झांसी की टीम नें टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुये,168 रनों का लक्ष्य बनाया , जिसमें भोपाल को 169 रनों का लक्ष्य जीत के लिए रखा गया,जहां झांसी की ओर से संदीप द्वारा बल्लेबाजी करते हुए टीम की ओर से सबसे अधिक 40 रन बनाए गए, वहीं भोपाल की ओर से समीर द्वारा दो विकेट लिये, इसके बाद भोपाल की टीम द्वारा 168 रनों का पीछा करते हुए,भोपाल मात्र 166 रन पर ही सिमट कर रह गई इस मैच में रोमांचक मुकाबला देखने को मिला जिसमें झांसी दो रनों से विजय घोषित हुई मैन ऑफ द मैच झांसी टीम की ओर से जितेंद्र दीक्षित को दिया गया टूर्नामेंट में कमांन्ट्रेट के रूप में मनदीप तिवारी एवं राकेश पुरोहित द्वारा एक-एक गेंद का हाल सुनाया स्कोरर के रूप में विकास कोली तथा अंपायर के रूप में प्रीति यादव बीसीसीआई द्वारा प्रमाणित नेशनल अंपायर तथा अतर सिंह गौर के द्वारा की गई इसके साथ ही थर्ड अंपायर के रूप में अटल तिवारी नरेंद्र पाण्डेय उपस्थित रहे आयोजन कमेटी के रूप में सुनील लोधी, सौरभ पाठक, जगदीश चंद्र शर्मा,सतीश शर्मा द्वारा स्टेडियम में पानी, बैठने आदि की पर्याप्त व्यवस्था की गई, वही प्रतियोगिता के क्रम में सोमवार गाजियाबाद तथा दिल्ली के बीच एक और संघर्षपूर्ण मुकाबले देखने को मिलेगा

क्षत्रिय नायक समाज की बैठक सम्पन्न

उज्जैन,फाजलपुर स्थित क्षत्रिय मारवाड़ा नायक धर्मशाला में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई

इस बैठक में समाज के सर्वसम्मति निर्णय से पूर्व प्रदेश अध्यक्ष आदरणीय श्री सुभाष राठोड़ जी को पुनः क्षत्रिय नायक समाज युवा संगठन का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया। समाज के वरिष्ठजनों एवं युवा संगठन द्वारा उन्हें अगले 2 वर्षों के कार्यकाल के लिए यह जिम्मेदारी सौंपी गई।

पूर्व में भी श्री सुभाष राठोड़ जी ने समाज के अनेक ज्वलंत मुद्दों को सही दिशा, सटीक रणनीति एवं समाज हित को ध्यान में रखते हुए प्रभावी रूप से उठाया है तथा समाज को जागरूक करने का सराहनीय कार्य किया है। उनके अनुभव व नेतृत्व से संगठन को पुनः नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर समाज के अनेक वरिष्ठजन एवं युवा संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से:

महेश जी सोंडिया – ट्रस्ट अध्यक्ष
सुंदर लाल जी – ट्रस्ट कार्यकर्ता
बंसी जी भाटी – ट्रस्ट कार्यकर्ता
बबलू जी नायक – उपाध्यक्ष
राजू जी – सह सचिव
विनोद जी – उज्जैन जिला अध्यक्ष
जितेन्द्र जी पंवार – इंदौर जिला अध्यक्ष
सुशील भाटी – प्रदेश सचिव

संतोष जी, संदीप जी, रणजीत जी सहित समाज के अन्य पदस्थ जन उपस्थित रहे।

एशियन वाटरबर्ड सेंसस 2026 के लिए इंदौर तैयार

वैज्ञानिक योजना और नागरिक सहभागिता पर ज़ोर

इंदौर वन मंडल ने एशियन वाटरबर्ड सेंसस (AWC) 2026 की सभी तैयारियाँ पूरी कर ली हैं। यह गणना 3 और 4 जनवरी 2026 को होगी। इस बार सर्वेक्षण में वैज्ञानिक तरीकों, बेहतर मैदानी समन्वय और नागरिक सहभागिता पर विशेष ध्यान दिया गया है। इन तैयारियों के तहत 2 जनवरी 2026 को इंदौर के वन मंडल कार्यालय में एक कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें वन विभाग के कर्मचारियों और पक्षी प्रेमियों को सर्वेक्षण की प्रक्रिया, आर्द्रभूमि (वेटलैंड) का आकलन और डिजिटल माध्यम से डेटा दर्ज करने की जानकारी दी गई।

क्या है एशियन वाटरबर्ड सेंसस

एशियन वाटरबर्ड सेंसस एक अंतरराष्ट्रीय नागरिक-विज्ञान कार्यक्रम है, जो हर साल एशिया और ऑस्ट्रेलिया के कई देशों में किया जाता है। भारत में यह कार्यक्रम आर्द्रभूमियों की निगरानी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और रामसर कन्वेंशन के तहत देश की अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारियों को पूरा करने में मदद करता है।

राज्य स्तर से जिला स्तर तक तैयारी

19 दिसंबर को मध्य प्रदेश वन विभाग द्वारा राज्य स्तर पर एशियन वाटरबर्ड सेंसस 2026 के दिशा-निर्देश जारी किए गए थे। इसके बाद इंदौर वन मंडल ने इन्हें ज़मीनी स्तर पर लागू करने के लिए यह कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यशाला में उप वन मंडल अधिकारी, रेंज अधिकारी, डिप्टी रेंजर, वन रक्षक और प्रशिक्षित पक्षी विशेषज्ञ शामिल हुए। उन्हें पक्षियों की पहचान, गिनती की सही विधि, आर्द्रभूमि की स्थिति का आकलन और

मोबाइल ऐप के उपयोग की जानकारी दी गई, ताकि सभी जगह एक जैसी और सही जानकारी जुटाई जा सके।

इंदौर जिले में 20 से अधिक वेटलैंड चिन्हित

पिछले रिकॉर्ड और हालिया निरीक्षण के आधार पर इंदौर जिले में 20 से अधिक झीलों, तालाबों, जलाशयों और नदी किनारे के क्षेत्रों को सर्वेक्षण के लिए चुना गया है। इन क्षेत्रों में स्थानीय और प्रवासी दोनों तरह के जल पक्षी पाए जाते हैं। इस सर्वे में 50 से अधिक प्रशिक्षित पक्षी प्रेमी वन विभाग के कर्मचारियों के साथ भाग लेंगे। हर टीम को तय स्थान दिए गए हैं, ताकि दोहराव न हो और डेटा सही रहे।

ई-बर्ड ऐप का उपयोग

सर्वे के दौरान सभी पक्षियों की जानकारी eBird ऐप पर दर्ज की जाएगी। इससे हर रिकॉर्ड स्थान, समय और तारीख के साथ सुरक्षित होगा और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तुलना के लिए उपयोगी बनेगा। इसके साथ ही आर्द्रभूमि मूल्यांकन फॉर्म भी भरा जाएगा, जिसमें पानी की स्थिति, वनस्पति, मानवीय गतिविधियाँ और अन्य दबावों की जानकारी दर्ज की जाएगी। इससे पक्षियों की संख्या को पर्यावरण की स्थिति के साथ जोड़कर समझा जा सकेगा।

वेटलैंड और पक्षी:

पर्यावरण के संकेतक जल पक्षी आर्द्रभूमि की सेहत के अच्छे संकेतक माने जाते हैं। यदि पक्षियों की संख्या या विविधता घटती है, तो यह पानी की गुणवत्ता, आवास या मानवीय दबाव में बदलाव का संकेत हो सकता है। इंदौर के आसपास कुछ वेटलैंड में हाल के वर्षों में जलकुंभी, प्रदूषण और मानवीय गतिविधियों के कारण दबाव बढ़ा है। सिरपुर झील में भी पहले की तुलना में खुले पानी का क्षेत्र कम हुआ है। ऐसे बदलाव बताते हैं कि नियमित निगरानी कितनी ज़रूरी है।

मध्य प्रदेश के बेहतर तैयार जिलों में

समय पर योजना, बेहतर समन्वय और नागरिक सहभागिता के कारण इंदौर एशियन वाटरबर्ड सेंसस 2026 के लिए मध्य प्रदेश के बेहतर तैयार जिलों में शामिल है। यहां डेटा की गुणवत्ता और समय पर रिपोर्टिंग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इंदौर क्षेत्र में आम तौर पर कूट, भारतीय रॉबिन, दयाल, रोज़-रिंग्ड तोता, अलेक्ज़ेंडर तोता, धूसर हॉर्नबिल, किंगफिशर और ब्लैक-विंग्ड स्टिल्ट जैसे पक्षी देखे जाते हैं।

जिले में व्यापक पक्षी सर्वे की योजना

एशियन वाटरबर्ड सेंसस के बाद इंदौर जिले में एक व्यापक पक्षी सर्वे करने का भी प्रस्ताव है। इसका उद्देश्य अलग-अलग मौसम और आवासों में पक्षियों की स्थिति दर्ज कर एक स्थायी आधार तैयार करना है, जिससे भविष्य की संरक्षण योजनाओं में मदद मिल सके। वन अधिकारियों ने बताया कि शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में आर्द्रभूमि संरक्षण न केवल पक्षियों के लिए बल्कि बाढ़ नियंत्रण और भूजल रिचार्ज जैसी सेवाओं के लिए भी जरूरी है।

स्थानीय प्रयास, वैश्विक जिम्मेदारी

भारत में इस समय 96 रामसर स्थल हैं, लेकिन छोटे वेटलैंड भी स्थानीय स्तर पर बहुत महत्वपूर्ण हैं। एशियन वाटरबर्ड सेंसस जैसे कार्यक्रम स्थानीय स्तर पर लोगों को जोड़कर वैश्विक संरक्षण लक्ष्यों को मजबूत करते हैं। इंदौर वन मंडल की यह पहल विज्ञान आधारित संरक्षण, प्रशासनिक समन्वय और जनभागीदारी के माध्यम से दीर्घकालीन आर्द्रभूमि संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पतंजलि कायाकल्प योगकक्षा द्वारा एक विशाल योग शिविर का आयोजन

रणजीत टाइम्स

योग कक्षा के सदस्य राकेश चौरसिया जी के सहयोग एवं सानिध्य में खुरई जिला सागर किया गया। यह योग कक्षा तुलसी सरोवर पार्क अशोकनगर में विगत सात वर्षों से निरंतर चलती आ रही योगाचार्य श्री मती करुणा गुप्ता ग्वालियर, श्री मती श्वेता सलूजा अशोकनगर एवं डॉक्टर शालिनी जादौन भोपाल द्वारा किला प्रांगण खुरई में सभी को योग अभ्यास कराया गया एवं योग से संबंधित लाभों के बारे मे विस्तार पूर्वक बताया गया योग अभ्यास के उपरांत यज्ञ अनुष्ठान किया गया जिसमें 100 से अधिक लोगों ने एक साथ यज्ञ अनुष्ठान किया इसके बाद समिति की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें भविष्य में योग को लेकर किए जाने वाले कार्यों को लेकर भी चर्चा की गई।, इस योग कक्षा को लेकर एक बैठक पूर्व में संगठन के द्वारा की गई थी ।इस योग कक्षा का प्रारंभ 9 मार्च 2019 से योगाचार्य डॉ पवन सिंघल जी द्वारा किया गया था। योगाचार्य स्व.पवन सिघंल जी को पुण्य स्मरण करके उनके शिष्यों ने योग प्रातः सात बजे प्रारंभ की जो 9:30 बजे तक चली। उक्त योग शिविर में योग साधको के अलावा शहर के गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे। । कार्यक्रम में अनिल खंतवाल, कमल सलूजा, सुलभ गुप्ता , राम स्वरूप शिवहरे , गायत्री अरोरा ,राकेश चौरसिया चंद्र कला चौरसिया शुभ्रता चौरसिया जगमोहन यादव अशोक रघुवंशी वीरेंद्र ओझा सहित भोपाल, ग्वालियर,एवं अशोकनगर से भी बहुत योग साधक उपस्थित रहे।

इंदौर सिल्वर पार्क में

ड्रेनेज संकट

सह सम्पादक दीपक वाड़ेकर

बिल्डर की लापरवाही से सड़कों पर भरा गंदा पानी, बीमार पड़ रहे रहवासी; SDM ने दिए सख्त कार्रवाई के आदेश

इंदौर। ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाली सिल्वर पार्क कॉलोनी में ड्रेनेज व्यवस्था की बदहाली को लेकर शुक्रवार को रहवासियों का गुस्सा फूट पड़ा। कॉलोनी की सड़कों पर महीनों से जमा गंदे ड्रेनेज पानी और उससे फैल रही बदबू व बीमारियों से परेशान लोगों ने मीडिया के सामने प्रशासन और बिल्डर के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। अधिकारियों के सामने फूटा रहवासियों का आक्रोश रहवासियों की शिकायत पर तत्काल संज्ञान लेते हुए SDM, पटवारी उमेश बाथम, एवं ग्राम सरपंच सत्यनारायण बोड़ाना मौके पर पहुंचे। कॉलोनीवासियों ने अधिकारियों को बताया कि ड्रेनेज सिस्टम पूरी तरह ध्वस्त हो चुका है। सड़कों पर जमा गंदे पानी के कारण आवागमन बाधित हो रहा है, वहीं कई घरों में सीपेज, दुर्गंध और मच्छरों की भरमार से हालात बदतर हो गए हैं।

बिल्डर की लापरवाही उजागर

रहवासियों का आरोप है कि कॉलोनी के बिल्डर तरणजीत नारंग को बार-बार अवगत कराने के बावजूद ड्रेनेज सुधार को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। परिणामस्वरूप कॉलोनी में बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं की तबीयत लगातार बिगड़ रही है। संक्रमण और मौसमी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है।

प्रशासन का सख्त रुख

मौकेपरस्थितिकीगंभीरताकोदेखतेहुएSDMनेः मौके पर ही पंचनामा तैयार करवाया बिल्डर तरणजीत नारंग के खिलाफ तत्काल कार्रवाई के आदेश दिए पटवारी और पंचायत सचिव को स्थायी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए SDM ने स्पष्ट किया कि रहवासियों के स्वास्थ्य से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। रहवासियों की चेतावनी सिल्वर पार्क के रहवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही ड्रेनेज लाइन दुरुस्त नहीं की गई तो वे उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे। प्रशासन की त्वरित कार्रवाई से फिलहाल लोगों में उम्मीद जगी है, लेकिन कॉलोनी की यह नारकीय स्थिति कब तक सुधरेगी—यह आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा।

भारतीय समाज का स्वभाव है सामाजिक सद्भाव : डॉ. मोहन भागवत

संघ और शिव एक समान है : पंडित प्रदीप मिश्रा, भोपाल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा आयोजित सामाजिक सद्भाव बैठक संपन्न

दैनिक रणजीत टाइम्स

भोपाल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित सामाजिक सद्भाव बैठक में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि सामाजिक सद्भाव कोई नई अवधारणा नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज का स्वभाव रहा है। समाज में सज्जन शक्ति का जागरण, आचरण में पंच परिवर्तन और निरंतर सद्भावना संवाद आज की अनिवार्य आवश्यकता है। यह बैठक दो सत्रों में आयोजित की गई। मंच पर सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, प्र यात कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा तथा मध्यभारत प्रांत संघचालक अशोक पांडेय उपस्थित रहे। मध्यभारत प्रान्त के 16 शासकीय जिलों के समाज के विभिन्न वर्गों और संगठनों के प्रतिनिधियों की सहभागिता इस बैठक की विशेषता रही। इस अवसर पर डॉ भागवत ने स्पष्ट किया कि समाज शब्द का अर्थ ही समान गंतव्य की ओर बढने वाला समूह है। भारतीय समाज की कल्पना सदैव ऐसी रही है जिसमें जीवन भौतिक और आध्यात्मिक दोनों दृष्टियों से सुखी हो। हमारे ऋषि-मुनियों ने यह समझा कि अस्तित्व एक है, केवल देखने की दृष्टि अलग-अलग है। उनकी तपस्या और साधना से ही राष्ट्र का निर्माण हुआ और वही हमारी सांस्कृतिक नींव है। डॉ. भागवत ने कहा कि कानून समाज को नियंत्रित कर सकता है, लेकिन समाज को चलाने और जोडक़र रखने का कार्य सद्भावना ही करती है। विविधता के बावजूद

एकता ही हमारी पहचान है। बाहरी रूप से हम अलग दिख सकते हैं, लेकिन राष्ट्र, धर्म और संस्कृति के स्तर पर हम सभी एक हैं। इसी विविधता में एकता को स्वीकार करने वाला समाज हिंदू समाज है। उन्होंने कहा कि हिंदू कोई संज्ञा नहीं, बल्कि एक स्वभाव है, जो मत, पूजा पद्धति या जीवनशैली के आधार पर झगड़ा नहीं करता। उन्होंने यह भी कहा कि समाज में भ्रम फैलाकर जनजातीय और अन्य वर्गों को यह कहकर तोडने का प्रयास किया गया कि वे अलग हैं, जबकि सच्चाई यह है कि हजारों वर्षों से अखंड भारत में रहने वाले सभी लोगों का डीएनए एक है। संकट के समय ही नहीं, बल्कि हर समय सद्भावना बनाए रखना आवश्यक है। मिलना, संवाद करना और एक-दूसरे के कार्यों को जानना ही सद्भावना की पहली शर्त है। उन्होंने कहा कि समर्थ को दुर्बल की सहायता करनी चाहिए। पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि सभी समाज अपने-अपने स्तर पर कार्य कर रहे हैं, लेकिन यह प्रश्न भी आवश्यक है कि हमने राष्ट्र के लिए क्या किया और राष्ट्र को क्या दिया। उन्होंने कहा कि संघ और शिव के भाव में अद्भुत समानता है। जैसे शिव ने समस्त सृष्टि के लिए विष पिया, वैसे ही संघ प्रतिदिन आरोपों का विष पीकर भी संयम और राष्ट्रहित में कार्य करता है। उन्होंने कहा कि जन्म चाहे किसी भी जाति में हुआ हो, पहचान अंतत: हिंदू, सनातनी और भारतीय की ही है। प्रत्येक भारतीय में राष्ट्रोत्थान और समाजोत्थान की अद्भुत क्षमता है। धर्मांतरण को उन्होंने केवल वर्तमान पीढ़ी ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढियों को भी प्रभावित करने वाला गंभीर षड्यंत्र बताया और इसके प्रति समाज को सजग रहने का आह्वान किया। पंडित मिश्रा ने 'ग्रीन महाशिवरात्रि' जैसे अभियानों का उल्लेख करते हुए कहा कि घर-घर मिट्टी के शिवलिंग की पूजा सामाजिक समरसता का सशक्त उदाहरण है। उन्होंने कहा कि सामाजिक सद्भाव बैठक का मूल उद्देश्य यही है कि हम अपने साथ-साथ अपने पड़ोसी और समाज को भी लेकर आगे बढ़ें। जैसे लंगर में जाति नहीं पूछी जाती, वैसे ही राष्ट्र निर्माण के लिए सभी को एकजुट होकर कार्य करना चाहिए। सामाजिक सद्भाव बैठक का समापन इस संकल्प के साथ हुआ कि समाज अपने क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए स्वयं आगे आएगा और सरकार की प्रतीक्षा किए बिना सामूहिक प्रयास करेगा। वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि यह बैठक किसी एक संगठन की नहीं, बल्कि स पूर्ण हिंदू समाज की है। उद्देश्य एक ही है कि पूरा समाज मिलकर पूरे समाज को बलशाली बनाए और एक समाज, एक राष्ट्र के रूप में दृढ़ता से खड़ा रहे।

हाईवे के लिए केंद्रीय मंत्री गडकरी ने तुड़वा दिया था ससुर का मकान

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी पूरे देश में हाइवे का निर्माण करावा रहे हैं जिससे आवागमन सुगम हो रहा है। वहीं हाइवे के लिए उन्होंने अपने ससुर का ही मकान तुड़वा दिया। वह दिल्ली में अपने सरकारी आवास परिसर में भी छोटे आकार में खेती करते हैं। यहां वे मिर्चियां उगाते हैं। साथ ही उनकी पत्नी महाराष्ट्र में ऑर्गेनिक खेती करती हैं। गडकरी ने फिल्म निर्देशक और कोरियोग्राफर फराह खान के वीडियो ब्लॉग में इन बातों का जिक्र किया। पॉडकास्ट में केंद्रीय मंत्री गडकरी की पत्नी ने बताया कि हाईवे बनाने के लिए एक बार उनके मायके का घर चला गया था। इस बात पर गडकरी ने आगे कहा कि हां, इनके पिताजी का घर तोड़ना पड़ा था। चूने की रेखा डाली और पूरा घर तोड़ दिया। बदले में कुछ मुआवजा दिया था। गडकरी ने कहा कि अगले 15 दिन में दिल्ली से देहरादून फ्लाइट तो बंद हो जाएगी क्योंकि दो घंटे में लोग यह दूरी सड़क से ही तय कर सकेंगे। हाईवे बनकर तैयार है। गडकरी ने बताया कि उनकी पत्नी महाराष्ट्र में जो ऑर्गेनिक खेती करती हैं, उसमें एक किलो के बैंगन और एक किलो के प्याज की पैदावार हुई है। वहां ऑर्गेनिक सब्जियां, अरहर की दाल और चने की दाल भी उगाते हैं। खेती में एआई का इस्तेमाल किया जाता है। गूगल-माइक्रोसॉफ्ट की मदद से खेती की सैटैलाइट तस्वीर निकालते हैं। उस हिसाब से सिंचाई करते हैं। उन्होंने बताया कि हम अपने सरकारी बंगले के परिसर में भी खेती करते हैं और मिर्ची वगैरह उगाते हैं। बंगले पर 15-17 मोर कुछ न कुछ खाने के लिए आते हैं।

माघ मेला: संगम तट पर श्रद्धा का सैलाब, पहले दिन सुबह 8 बजे तक ही 6.5 लाख ने लगाई डुबकी

दैनिक रणजीत टाइम्स

यहां हुए महाकुंभ के भव्य आयोजन के पश्चात पहले माघ मेले का औपचारिक शुभारंभ हो गया है। आस्था और श्रद्धा के इस पावन पर्व पर देश के विभिन्न कोनों से श्रद्धालु त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाने के लिए उमड़ पड़े हैं। मेले के पहले ही दिन जनसैलाब का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सुबह आठ बजे तक ही लगभग 6.5 लाख श्रद्धालुओं ने गंगा में पवित्र स्नान कर लिया था। विभिन्न अखाड़ों के संत-महात्मा और प्रमुख आध्यात्मिक गुरु अपने अनुयायियों के साथ संगम तट पर पहुंच रहे हैं। इसी क्रम में किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर कल्याणी नंद गिरी ने भी अपने शिष्यों के साथ स्नान किया। संगम की रेती पर लाखों कल्पवासी और संन्यासी पहले ही डेरा डाल चुके हैं, जहाँ वे एक माह तक कठिन जप-तप और साधना में लीन रहेंगे। प्रशासनिक अनुमानों के अनुसार, मेले के शुरुआती चरण में ही करीब 15 लाख लोग क्षेत्र में पहुँच चुके हैं। इस वर्ष माघ मेले को महाकुंभ की तर्ज पर ही आधुनिक और सुविधाजनक बनाया गया है। पहली बार इस मेले का अपना एक विशिष्ट लोगो जारी किया गया है, जो इसकी अलग पहचान को दर्शाता है। श्रद्धालुओं की सुगम आवाजाही के लिए प्रशासन ने निजी कंपनियों के सहयोग से बाइक सेवा की शुरुआत की है, जिससे लोग संगम के निकटतम बिंदु तक आसानी से पहुँच सकेंगे। तकनीक का लाभ उठाते हुए बिजली के खंभों पर क्यूआर कोड लगाए गए हैं। यदि किसी श्रद्धालु को कोई समस्या होती है, तो वे इसे स्कैन कर तुरंत शिकायत दर्ज करा सकते हैं, जिस पर त्वरित कार्रवाई का दावा किया गया है। साथ ही, मेले में डिजिटल कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए मोबाइल कंपनियों के साथ समन्वय किया गया है ताकि डिजिटल मेले की संकल्पना साकार हो सके। पर्यटन और रोमांच को बढ़ावा देने के लिए इस बार हेलीकॉप्टर

सेवा और पैराग्लाइडिंग जैसी गतिविधियाँ भी आकर्षण का केंद्र रहेंगी। इसके अलावा, सांस्कृतिक संध्याओं के लिए विख्यात कलाकारों को आमंत्रित किया गया है। सुरक्षा के मोर्चे पर प्रशासन ने अभेद्य व्यवस्था की है। पूरे मेला क्षेत्र में एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) आधारित सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखी जा रही है। सुरक्षा के लिए 10 चक्रों का एक विशेष घेरा तैयार किया गया है, जो समय और भीड़ के दबाव के अनुसार लागू किया जाएगा। महावीर और अक्षयवट कॉरिडोर जैसे संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा के विशेष प्रबंध किए गए हैं। जल पुलिस, वॉच टावर और नियंत्रण कक्षों के माध्यम से हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा रही है। यातायात प्रबंधन के लिए प्रयागराज कमिश्नरेट ने विशेष टीमें तैनात की हैं ताकि शहर और मेला क्षेत्र में जाम की स्थिति पैदा न हो।

कन्या कौशल शिविर का समापन

कालापीपल। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में तहसील स्तरीय 3 दिवसीय विराट कन्या कौशल शिविर का आयोजन गायत्री शक्तिपीठ रनायल द्वारा आयोजित किया गया। कपिल परमार ने जानकारी देते हुए बताया की परम पूज्य गुरुदेव पंडित श्री राम शर्मा आचार्य जी द्वारा 18 जनवरी 1926 बसंत पंचमी पर एक दीप प्रज्ज्वलित किया गया था जिसके 100 वर्ष होने को है साथ ही परम वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा के जन्म (1926) को भी 100 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। इसलिए यह वर्ष शताब्दी वर्ष है जिसमें शांतिकुंज हरिद्वार में बड़ा कार्यक्रम आयोजित होने वाला है साथ ही प्रत्येक जिले में जन जाग्रति के कार्य होने है इसी श्रृंखला में रनायल शक्तिपीठ पर कन्या कौशल शिविर का आयोजन रखा गया। शांतिकुंज हरिद्वार प्रतिनिधि बहिन निशा दीदी द्वारा 150 से अधिक कन्याओं को जीवन कौशल सिखाए। व्यक्तित्व निर्माण हेतु बच्चों को सनातन धर्म के सभी संस्कारों से अवगत कराते हुए शिक्षा ही नहीं विद्या के साथ व्यावहारिक जीवन की कठिनाइयों से जूझ कर अपने व्यक्तित्व परिस्कार द्वारा जीवन के मूल उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु प्रयास करना चाहिए। सफलता प्राप्त करने हेतु अंक ही नहीं अपितु श्रेष्ठ मानवीय गुणों को आत्मसात करने एवं व्यक्ति निर्माण हेतु सदैव कार्य करते रहने की बातें बताई। आजकल मोबाइल और रील का जमाना है सोशल मीडिया एक वरदान है तो उसके दुरुपयोग से वही अभिशाप भी बन जाता है। हमें तय करना है कि हम मोबाइल का उपयोग कर रहे हैं या वह हमारा। शिविर के समापन अवसर पर उपजोन समन्वयक प्रभाकर सोनाने, जिला समन्वयक राकेशकुमार परमार, मुख्य प्रबन्ध ट्रस्टी महेश चंद्रवंशी सहित गायत्री परिजन उपस्थित रहे। प्रशिक्षार्थी कन्याओं को अतिथियों द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गये। समापन दिवस पर इससे पूर्व ग्राम में व्यसन मुक्ति रैली भी निकाली गई जिसमें सभी कन्याओं सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण जन एवं परिजनो ने भागीदारी की।

मंत्री सिलावट ने अस्पताल जाकर मरीजों का हाल जाना

दैनिक रणजीत टाइम्स

इंदौर। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट शनिवार को चाचा नेहरू बाल अस्पताल और एमवाय अस्पताल पहुंचे। यहां उन्होंने दूषित पानी से बीमार होकर भर्ती हुए 30 से अधिक मरीजों से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। मंत्री सिलावट ने परिजनों को भरोसा दिलाया कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है। सभी बच्चों और अन्य मरीजों का अस्पताल में नि:शुल्क और बेहतर इलाज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जल्द ही सभी प्रभावित स्वस्थ होकर अपने घर लौटेंगे। अस्पताल में मंत्री ने बच्चों, माताओं और पुरुष मरीजों से भी उपचार की स्थिति पूछी। इसके बाद उन्होंने एमजीएम में डॉक्टरों की बैठक ली और निर्देश दिए कि मरीजों की देखभाल और इलाज में कोई कमी न रहे।

विभाग ने जारी किया हेल्पलाइन नं.

इन्दौर। भागीरथपुरा क्षेत्र इंदौर में जलजनित घटना को देखते हुए नागरिकों की सुविधा के लिये कंट्रोल रूम स्थापित किया गया। कंट्रोल रूम में उल्टी-दस्त के मरीज पाए जाने की सूचना दी जा सकती है। जिसका हेल्प लाईन नं. 940-650-5508 रहेगा, यह सुविधा 24×7 उपलब्ध रहेगी।

खकनार मे आयोजित किया गया निशुल्क स्वास्थ्य शिविर

बुरहानपुर। मध्य भारत के सबसे बड़े मल्टीस्पेशलिटी ऑल इज़ वेल हॉस्पिटल द्वारा 3 जनवरी शनिवार को ऑल इज़ वेल नर्सिंग होम खकनार में हड्डी रोग के स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। 30 से अधिक मरीजों ने शिविर का लाभ उठाया। शिविर में ऑल इज़ वेल हॉस्पिटल के चिकित्सक डॉ. रौनिक बंसोड़(अस्थि रोग विशेषज्ञ) के द्वारा इस मौसम में होने वाली स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं का परामर्श दिया गया। सभी मरीजों को मौसमी विकारों से बचने एवं सुरक्षित रखने की सलाह दी। सभी मरीजों का नि :शुल्क जनरल चेकअप, ब्लड प्रेशर की जाँच की गई। ऑल इज़ वेल हॉस्पिटल के संचालक कबीर चौकसे के दिशा निर्देशन में, एवं ऑल इज वेल हॉस्पिटल स्टाफ के सहयोग से स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया।

बुरहानपुर पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र में शाम के समय की जा रही है सतत फुट पेट्रोलिंग

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट न करने के संबंध में किया जा रहा है लोगों को जागरूक

दैनिक रणजीत टाइम्स

बुरहानपुर। पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पाटीदार द्वारा सुरक्षा व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए समस्त थाना प्रभारियों को थाना क्षेत्र में शाम में पैदल फुट पेट्रोलिंग करते हुए अवैध गतिविधियों पर सतत निगरानी रखने हेतु निर्देशित किया गया है। इसी तारतम्य में अति. पुलिस अधीक्षक अंतर सिंह कनेश एवं नगर पुलिस अधीक्षक गौरव पाटिल के मार्गदर्शन में समस्त थाना/चौकी प्रभारियों द्वारा दिनांक 03/01/2026 को थाना/चौकी क्षेत्र में पैदल फुट पेट्रोलिंग भ्रमण किया, भ्रमण के दौरान मुख्य चौराहों, बाजार, धार्मिक स्थलों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, सार्वजनिक स्थानों आदि की औचक चैकिंग करते हुए अवैध रूप से जमाबड़ा कम करने एवं किसी प्रकार की अवैध गतिविधियां न हो इसकी समझाइश दी गई। फुट पेट्रोलिंग के दौरान सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट न करने के संबंध में लोगों को जागरूक किया जा रहा हैं इसके साथ ही बुरहानपुर पुलिस ने आम जनता से यह अपील भी की है कि वे सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की भ्रामक या भड़काऊ जानकारी साझा न करें। यदि कोई व्यक्ति इस तरह की गतिविधियों में संलिप्त पाया जाता है, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कृषि सखियां प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिये करेंगी कार्य

बुरहानपुर। जिले में ''राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन'' अंतर्गत आत्मा एवं कृषि विभाग द्वारा चयनित 40 कृषि सखियों का प्रशिक्षण शुक्रवार को संपन्न हुआ। 29 दिसम्बर से आयोजित 5 दिवसीय प्रशिक्षण के समापन कार्यक्रम में बुरहानपुर विधायक श्रीमति अर्चना चिटनिस, किशोर पाटिल, देवानंद पाटिल, हमीद काजी, अन्य जनप्रतिनिधिगण, उपसंचालक कृषि एम.एस. देवके, केवीके वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संदीप कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारीगण, कृषि सखियां उपस्थित रही। समापन अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्रीमति चिटनिस ने कहा कि, जिले में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जायें इस हेतु जन-जागरूकता एवं प्रेरित करें। विदित है कि, ''राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन'' अंतर्गत कृषि सखियों को 20 क्लस्टरों से चयनित किया गया है। चयनित कृषि सखियाँ जिले में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिये विभागों के साथ समन्वय कर कार्य करेंगी। प्रत्येक क्लस्टर में 2 कृषि सखी 125 कृषकों के बीच कार्य करेंगी। पांच दिवसीय प्रशिक्षण में श्री अमोल देशमुख, सुश्री सोनाली कामले एवं श्री विशाल पाटीदार द्वारा सहयोग प्रदान किया गया।

हादसे को न्यौता : इंदौर हादसे के बाद भी नहीं चेता बालाघाट नगर पालिका प्रबंधन

गंदगी से बजबजा रही नालियां, खुली नालियों से गुजरी है पेयजल की पाइप लाइन

पेयजल आपूर्ति को लेकर नपा प्रबंधन नजर नहीं आ रहा है गंभीर

दैनिक रणजीत टाइम्स

बालाघाट। खुली नाली, नालियों में बजबजा रही गंदगियां और गंदगी के बीच पेयजल आपूर्ति के लिए पाइप लाइन का विस्तार। कुछ इस तरह की तस्वीर बालाघाट शहर में नजर आती है। यह किसी एक वार्ड की स्थिति नहीं बल्कि अधिकांश वार्डों में ऐसी समस्या बनी हुई है। बावजूद इसके नगर पालिका प्रबंधन इसे गंभीरता से नहीं ले रहा है। इतना ही नहीं इंदौर में हुए हादसे से भी नपा सबक नहीं ले रही है। ऐसे में कभी भी गंभीर हादसा हो सकता है। साफ और स्वच्छ शहरों में शुमार इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से हुई 16 मौतों ने शासन-प्रशासन के सिस्टम पर सवाल खड़ा कर दिया है। लेकिन बालाघाट का नगर पालिका प्रबंधन इस हादसे के बाद भी सतर्क नहीं हुआ है। शहर में पेयजल आपूर्ति के ये हालात हैं कि पाइप लाइन नालियों के गंदे पानी से होकर गुजरी है। इन्हीं पाइप लाइन से घरों में भी कनेक्शन दिए गए है। ऐसे में

पाइप लाइन के लिकेज होने पर शहरवासियों को दूषित पेयजल की आपूर्ति से इंकार नहीं किया जा सकता। शनिवार को जबलपुर एक्सप्रेस की टीम ने शहर के अलग-अलग वार्डों पर पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था का जायजा लिया गया। जहां नगर पालिका प्रबंधन के पेयजल आपूर्ति की पोल खुलती नजर आई। कहीं नालियां गंदगी से बजबजाती रही तो कहीं गंदे नालियों के बीच से ही पेयजल आपूर्ति के लिए पाइप लाइन का विस्तार नजर आया। इससे स्पष्ट होता है कि शुद्ध पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था बालाघाट शहर में कितनी बेहतर है।

इन वार्डों में में मिली अव्यवस्था:- शहर के वार्ड नंबर 3, 4,10, 15, 16, 17,18, 25, 32 सहित अन्य वार्डों में अव्यवस्था नजर आई। इन वार्डों में जो नई पाइप लाइन का विस्तार किया गया है, उसमें नालियों के अंदर से लोगों के घरों में कनेक्शन दिया गया है। नालियों में घरों व शहर से निकलने वला दूषित जल व गंदगी भरी हुई है। जिससे बालाघाट में भी इंदौर जैसी दूषित जल पीने से संक्रामक बीमारी फैलने की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता।

नल-जल योजना का कार्य भी अधूरा

नगर में नई जल आवर्धन योजना पर कार्य किया गया है, लेकिन वह भी अधूरा है। इस योजना के तहत शहर के वार्डों में पाइप लाइन का विस्तार किया गया है, घरों में कनेक्शन प्रदान किए गए हैं लेकिन शुद्ध पेयजल आपूर्ति नहीं हो पा रही है। सबसे ज्यादा समस्या नीचले वार्डों में हो रही है। नगर के वार्ड क्रमांक 2 भटेरा चौकी के पार्षद योगराज लिल्हारे ने इस योजना के कार्य पर भी सवाल खड़े किए हैं। वार्ड क्रमांक 2 में ही पाइप लाइन विस्तार और कनेक्शन के नाम पर केवल औपचारिकता निभा दी गई है। इसी तरह की समस्याएं अन्य वार्डों में भी बनी हुई है।

लांजी में पानी की जांच के लिए सेंपल किए एकत्र

नगर परिषद लांजी के मुख्य नगरपालिका अधिकारी मयूर वाहने के अनुसार लांजी के अलग-अलग वार्डों में स्थित जल स्त्रोतों से पेयजल की गुणवत्ता की जांच के लिए सेंपल एकत्र किए गए है। वार्ड क्रमांक 7, 10, 13, 14 के पास स्थित ट्यूबवेल पंप हाउस से पेयजल के सैंपल बैक्टीरियोलॉजिकल जांच के लिए एकत्र किए गए है। सभी सैंपल लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग लांजी को परीक्षण हेतु भेजे गए हैं। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी।

मलाजखंड में जांची गई जल की गुणवत्ता

नगरपालिका परिषद मलाजखंड द्वारा क्षेत्र में पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए 3 जनवरी को जल स्त्रोतों के निरीक्षण एवं जांच की कार्यवाही की गई। इसके अंतर्गत नगरपालिका परिषद मलाजखंड क्षेत्र में पेयजल गुणवत्ता से संबंधित मैदानी सर्वेक्षण किया गया। सर्वेक्षण के दौरान जल आपूर्ति बिंदुओं का निरीक्षण करते हुए पानी की स्वच्छता एवं उपयोगिता पर विशेष ध्यान दिया गया। जांच में पाया गया कि क्षेत्र में जल आपूर्ति की स्थिति गुणवत्तापूर्ण है। पाइपलाइन के माध्यम से की जा रही जल आपूर्ति, नल एवं जल संयोजन सही अवस्था में पाए गए। पानी साफ, पारदर्शी एवं बिना किसी दुर्गंध के पाया गया। नगरपालिका कर्मचारियों द्वारा सर्वेक्षण के दौरान स्थानीय नागरिकों से प्रत्यक्ष संवाद भी किया गया। पुरुषों एवं बुजुर्ग नागरिकों से चर्चा में नागरिकों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्हें स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल प्राप्त हो रहा है, पानी पीने योग्य है तथा पानी से संबंधित किसी प्रकार की समस्या नहीं है। नागरिकों ने यह भी बताया कि वे नियमित रूप से इसी पानी का उपयोग कर रहे हैं। सीएमओ दिनेश बाघमारे ने आम जनता से अपील की है कि यदि कहीं भी पेयजल की शुद्धता को लेकर किसी प्रकार की शिकायत हो तो नागरिक तत्काल नगरपालिका परिषद मलाजखंड कार्यालय से संपर्क करें, ताकि समय पर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई की जा सके।

पेयजल गुणवत्ता की जांच करने के निर्देश

इंदौर में हुई हालिया घटना को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर मृणाल मीना ने जिले में नल-जल प्रदाय योजनाओं के अंतर्गत उपलब्ध कराए जा रहे पेयजल की गुणवत्ता की सतत निगरानी तथा जलजनित बीमारियों की प्रभावी रोकथाम हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए हैं। कलेक्टर ने जिले के समस्त नगरीय निकायों के मुख्य नगरपालिका अधिकारियों, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्रियों एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया है कि सतही जल स्रोतों पर आधारित नल-जल प्रदाय योजनाओं के अंतर्गत संचालित जल शोधन संयंत्रों पर स्थापित जल परीक्षण प्रयोगशालाओं में पेयजल की गुणवत्ता का नियमित परीक्षण कराया जाए। परीक्षण से प्राप्त परिणामों का विधिवत संधारण सुनिश्चित किया जाए तथा यदि कहीं भी जल की गुणवत्ता प्रभावित पाई जाती है तो उसके सुधार हेतु तत्काल आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही की जाए। कलेक्टर ने निर्देशों में यह भी स्पष्ट किया है कि संबंधित अधिकारी एवं विभाग द्वारा की गई समस्त कार्यवाही तत्काल पूर्ण कर उसकी जानकारी अविलंब प्रस्तुत की जाए।

वारासिवनी में अधिकारियों ने लिया जायजा

नगर पालिका वारासिवनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा वार्ड क्रमांक 1, 3, 11, 12 और 14 में घर-घर जाकर प्रदाय किए जा रहे पेयजल का निरीक्षण किया गया। इस दौरान पेयजल की गुणवत्ता की जांच के लिए सैंपल लेकर परीक्षण हेतु भेजे गए हैं। सीएमओ सूर्य प्रकाश उके ने बताया कि जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद आवश्यकतानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही नागरिकों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए निरंतर निगरानी रखी जा रही है। प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि किसी भी प्रकार की समस्या अथवा संदेह की स्थिति में तत्काल नगर पालिका अथवा संबंधित अधिकारियों को सूचित करें, ताकि समय रहते उचित कदम उठाए जा सकें।

ठंडे भजिये से भड़का शहर, कमानिया गेट बना रणक्षेत्र

जबलपुर में मिठाई दुकान पर विवाद ने लिया सांप्रदायिक तनाव का रूप, लाठीचार्ज तक पहुंचा मामला

दैनिक रणजीत टाइम्स

जबलपुर। शुक्रवार देर रात जबलपुर के संवेदनशील कमानिया गेट इलाके में एक मामूली शिकायत ने बड़े बवाल का रूप ले लिया। मशहूर बड़कुल स्वीट्स में भजिया ठंडी होने की बात पर शुरू हुई कहासुनी देखते ही देखते मारपीट, आपत्तिजनक टिप्पणियों और फिर लाठीचार्ज तक पहुंच गई।

हालात ऐसे बिगड़े कि पुलिस को कई थानों का बल बुलाना पड़ा और इलाके को छावनी में तब्दील करना पड़ा। जानकारी के अनुसार, व्यापारी राजकुमार जैन देर रात बड़कुल स्वीट्स में भजिया खाने पहुंचे थे। उन्होंने काउंटर

पर मौजूद मैनेजर से भजिया ठंडी होने की शिकायत की। इसी बात पर दुकानदार पक्ष और ग्राहक के बीच बहस शुरू हो गई, जो कुछ ही मिनटों में हिंसक झड़प में बदल गई। आरोप है कि दुकान कर्मचारियों ने अपने साथियों को बुलाकर ग्राहक के साथ मारपीट की।

समुदाय विशेष पर टिप्पणी से भड़की आग: विवाद के दौरान जैन समाज को लेकर आपत्तिजनक शब्दों के इस्तेमाल का आरोप भी सामने आया। इसकी खबर फैलते ही सैकड़ों की संख्या में जैन समाज के लोग मौके पर जमा हो गए और आरोपियों को सौंपने की मांग करने लगे। स्थिति इतनी तनावपूर्ण हो गई कि मारपीट के आरोपी अपनी जान बचाने के लिए दुकान के अंदर ही छिप गए।

पुलिस के खिलाफ भी गूंजे नारे: घटना की सूचना मिलते ही कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन भीड़ का आक्रोश शांत नहीं हुआ। नाराज लोगों ने पुलिस के खिलाफ भी नारेबाजी शुरू कर दी। हालात काबू से बाहर होते देख पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। कमानिया गेट से लेकर बड़ा फुहारा और खोवा मंडी तक पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर किया।

तीन आरोपी हिरासत में, जांच जारी: पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को हिरासत में लिया है और पूरे घटनाक्रम की जांच शुरू कर दी है। सुरक्षा को देखते हुए इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। गौरतलब है कि कमानिया गेट क्षेत्र पहले भी तनाव और गुटीय संघर्षों के लिए संवेदनशील रहा है। पुलिस का कहना है कि स्थिति अब नियंत्रण में है, लेकिन मामले पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

दैनंदिन क्रियाकलाप में ईश्वर का सानिध्य होना ही धर्म है

संघर्ष के समय परमात्मा को याद करना स्वाभाविक है। परंतु जब हम पूर्ण संतुष्टि में हों तो भी परमात्मा से जुड़े रहना हमारी इस संतुष्टि को स्थाई बनाने के लिए जरुरी है। हमें कभी नहीं भूलना चाहिए कि परम के संग जुड़ने में ही हमारे जीवन की सार्थकता है। जो साथ जाएगा ही नहीं, जो जरुरी नहीं उसमें हमारा चित्त ज्यादा लगता है, और जो साथ जाना है उसका हम चिंतन ही नहीं करते हैं। साथ क्या जाना है? साथ जायेगा हमारे अंदर स्थापित होने वाला धर्म। धर्म, ईश्वर की आराधना की विधि नहीं है बल्कि ईश्वर को पाने की आकांक्षा है। जीवन में संघर्ष तो करना ही पड़ता है। वह संघर्ष हम अपने जीवन को जीते हुए अपने परिवार के लिए, उनके सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए करते हैं, वो हमारा दायित्व है। इस संघर्ष के दौरान हम ईश्वर से सफलता हेतु प्रार्थना करते हैं तो फल प्राप्त होगा या नहीं यह हम पूर्ण विश्वास के साथ नहीं कह सकते क्योंकि यहां हमारी ईश्वर से की गई इच्छा शुद्ध नहीं है। शुद्ध इच्छा के अंदर जागृत होते ही हम पवित्र होने लगते हैं, ईश्वर के सानिध्य में रहने लगते हैं। सहज योग के माध्यम से इच्छा को शुद्ध इच्छा में परिवर्तित करने का मार्ग मिलता है और हम परमेश्वर के चित्त में स्थान पाते हैं। इससे बड़ी और क्या उपलब्धि हो सकती है हमारे लिए। हम एक सामान्य इंसान से दिव्य हो जाते हैं। और ऐसा होते ही हर जिम्मेदारी हमें आसान लगने लगती है। इस संबंध में परमपूज्य श्री माताजी निर्मला देवी कहती है

'एक बार जब आप सच्चाई को धारण कर लेते हैं तो आपका अपना जीवन ही लोगों को विश्वास दिलायेगा कि आप दिव्य हैं। जो कुछ भी आप करते हैं, वह लोगों को यकीन देगा कि आप दिव्य हैं, और जो कुछ भी आप कहेंगे, लोग जान जाएंगे कि यह दिव्य शक्ति से आ रहा है' अपने दैनंदिन जीवन के हर क्रियाकलाप के साथ ईश्वर के चित्त में भी स्थान पा लें तो जीवन कितना आसान होगा ना? चलिए इस पर विचार करते हैं और जुड़ते हैं दिव्य सहज योग से। नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 अथवा यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा से प्राप्त कर सकते हैं।

सर्दियों के मौसम में हृदय की देखभाल बेहद जरूरी :- डॉ राकेश गहरवार

दिव्यानंद अर्गल

ग्वालियर :- सर्दियों के दिनों में अक्सर दिल का दौरा पड़ने के मामले बढ़ जाते हैं। पहले अधिक उम्र के लोग हृदय रोग की चपेट में आते थे। मगर अब अन्य लोगों में भी इसके लक्षण दिखने लगे हैं। पिछले कुछ महीनों में कई लोग दिल के दौरे के शिकार हुए हैं। हाल-फिलहाल ऐसे कई मामले सामने आए, जिससे लोगों में चिंता बढ़ी है। आखिर इसकी वजह क्या है? दरअसल, अब लोगों की जीवन शैली बहुत बदल गई है। कामकाज का तनाव बढ़ गया है। खान-पान के प्रति लापरवाही ने भी हृदय को कमजोर कर दिया है। हृदय रोग पहले भी होता था, लेकिन अब जिस तरह हर उम्र के लोगों को दिल के दौरे पड़ने लगे हैं, उससे चिकित्सक हैरान हैं। मगर यह तो तय है कि सर्दियों में ऐसे मामले आमतौर पर बढ़ जाते हैं। इस समय दिल की देखभाल और जरूरी हो जाती है।

डॉ. राकेश गहरवार (प्रो. गजराराजा मेडिकल कॉलेज , हृदय रोग विशेषज्ञ, जेएच हॉस्पिटल ग्वालियर) के अनुसार, ठंड के दिनों में हमारी धमनियों में रक्त प्रवाह कम होने लगता है। इससे दिल का दौरा पड़ने का खतरा

बढ़ जाता है। जब तापमान काफी नीचे चला जाता है, तब धमनियां सिकुड़ने लगती हैं। अगर इन दिनों कोई तनाव में है, तो उसे दिल का दौरा पड़ने की संभावना बढ़ जाती है। शरीर का वह तंत्र बिगड़ जाता है जो हमारे सोने-जागने से लेकर थकान और ऊर्जा को संतुलित करता है। जब इसमें असंतुलन पैदा होता है, तो दौरा पड़ने का अंदेशा बढ़ जाता है। देखा गया है कि सर्दियों में लोग चलते-फिरते नहीं हैं। व्यायाम नहीं करते। तब ये दिल ही है जो शरीर को गर्म रखने के लिए लगातार परिश्रम करता है। ऐसे में इसका ध्यान रखने की जरूरत होती है।

सर्दियों में हार्ट अटैक का बढ़ता खतरा

सर्दियों के मौसम में दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ जाना कोई संयोग नहीं है। डॉ. राकेश गहरवार के अनुसार, खासतौर पर सुबह के समय ठंड का असर हृदय पर ज्यादा पड़ता है, जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक की आशंका बढ़ जाती है। डॉ. राकेश गहरवार बताते हैं कि शीतकाल में हार्ट अटैक के मामले पूरी दुनिया में और भारत में अपने चरम पर देखे जाते

सर्दियों में हार्ट अटैक से बचने के उपाय

कड़ाके की सर्दियों में सुबह पांच-छह बजे पार्क में न जाएं। सैर के लिए धूप निकलने का इंतजार करें। पर्याप्त गर्म कपड़े पहनें। हाथ-पैर और सिर को ढक कर रखें। हल्के-फुल्के व्यायाम जरूर करें। योगाभ्यास भी किया जा सकता है। इन दिनों तनाव से बचना चाहिए। शराब और सिगरेट से परहेज करना चाहिए। रक्तचाप के साथ शुगर भी नियंत्रण में रखें। आहार में ताजे फल शामिल करना चाहिए। हेल्दी फैट के लिए बादाम और मछली ले सकते हैं। भोजन में नमक कम करें। पर्याप्त पानी लें, मगर बहुत ज्यादा भी नहीं। अपनी दवाइयां समय पर लें।